

16. फार्मेसी के क्षेत्र में कैरियर के अवसर

दवाओं एवं औषधियों से संबंधित कार्य करने, मरीजों को दवा से जुड़ी जानकारी देने, दवाओं का निर्माण, परीक्षण एवं उत्पादन में सहभागिता करने के साथ ही स्वयं के मेडिकल स्टोर खोलने के लिये फार्मासिस्ट की डिग्री अतिआवश्यक है। यह कैरियर उच्च आदर्श एवं संतोष की अनुभूति के साथ रोजगार के असीम आयाम भी उपलब्ध करता है। विगत कई वर्षों से फार्मेसी के विभिन्न पाठ्यक्रम शासकीय एवं निजी क्षेत्र में रोजगार के वृहद अवसर प्रदान कर रहे हैं।

भारतीय फार्मेसी काउन्सिल नईदिल्ली देश भर में फार्मेसी व्यवसाय की नियंत्रक संस्था है जो विभिन्न पाठ्यक्रमों एवं फार्मेसी कॉलेजों के संचालन संबंधी दिशा-निर्देश जारी करता है। किसी राज्य में फार्मेसी पाठ्यक्रम एवं पंजीयन संबंधी कार्य राज्य फार्मेसी काउन्सिल द्वारा किया जाता है। फार्मेसी काउन्सिल ऑफ इंडिया के द्वारा मान्यता प्राप्त फार्मेसी पाठ्यक्रमों संबंधी जानकारी निम्नानुसार है :-

फार्मेसी के विभिन्न पाठ्यक्रम

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम की अवधि	न्यूनतम अर्हता
1	डी फार्मेसी (डिप्लोमा ऑफ फार्मेसी)	2 वर्ष	शारीरिक रूप से स्वस्थ आवेदक जिनकी आयु प्रवेश वर्ष के 31 दिसम्बर को 17 वर्ष से अधिक हो तथा हायर सेकेंडरी परीक्षा भौतिक, रसायन एवं जीवविज्ञान/गणित/जैव प्रौद्योगिकी विषय के साथ न्यूनतम 45 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण हो। (अजजा/अजा/अपिव/दिव्यांगजनों के लिये 40 प्रतिशत अंक) तीनों मुख्य विषय में संबंधित बोर्ड नियमानुसार सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रश्न पत्रों में अलग-अलग उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इस कोर्स में प्रवेश छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा आयोजित PPHT परीक्षा के आधार पर होता है।
2	बी फार्मेसी (बैचलर ऑफ फार्मेसी)	4 वर्ष	शारीरिक रूप से स्वस्थ आवेदक जिनकी आयु प्रवेश वर्ष के 31 दिसम्बर को 17 वर्ष से अधिक हो तथा हायर सेकेंडरी परीक्षा भौतिक, रसायन एवं जीवविज्ञान/गणित/जैव प्रौद्योगिकी विषय के साथ न्यूनतम 45 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण हो। (अजजा/अजा/अपिव/दिव्यांगजनों के लिये 40 प्रतिशत अंक) तीनों मुख्य विषय में संबंधित बोर्ड नियमानुसार सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रश्न पत्रों में अलग-अलग उत्तीर्ण होना आवश्यक है। बी फार्मेसी में प्रवेश के लिये कक्षा 12 वीं में एक विषय अंग्रेजी होना भी अनिवार्य है। इस कोर्स में प्रवेश छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा आयोजित PPHT परीक्षा के आधार पर होता है। टीप- डी फार्मेसी उत्तीर्ण युवाओं का लेटरल एंट्री से, बी फार्मेसी के द्वितीय वर्ष में भी प्रवेश होता है।
3	एम फार्मेसी (मास्टर ऑफ फार्मेसी)	2 वर्ष	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से फार्मेसी में 4 वर्षीय स्नातक उपाधि या समकक्ष उपाधि न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण हो। (अजजा/अजा/अपिव/दिव्यांगजनों के लिये 50 प्रतिशत अंक) तीनों मुख्य विषय में संबंधित बोर्ड नियमानुसार सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रश्न पत्रों में अलग-अलग उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इस कोर्स में NTA द्वारा आयोजित ग्रेजुएट फार्मेसी एप्टीट्यूट टेस्ट के माध्यम से होता है।

प्रवेश प्रक्रिया :-

डी फार्मसी एवं बी फार्मसी में प्रवेश छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा आयोजित PPHT परीक्षा के माध्यम से होता है। PPHT प्रवेश परीक्षा प्रति वर्ष माह मई/जून में आयोजित किया जाता है जिसमें बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाते हैं। कुल समयावधि 3 घंटे की इस प्रवेश परीक्षा में कुल 150 प्रश्न होते हैं।

प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र में 3 भाग होते हैं। भाग-1 रसायन (50 प्रश्न) तथा भाग-2 भौतिक (50 प्रश्न) सभी के लिये अनिवार्य होते हैं। भाग-3 में जीवविज्ञान/गणित/जैव प्रौद्योगिकी में से किसी एक विषय के 50 प्रश्नों को हल करना होता है। इस प्रवेश परीक्षा में नकारात्मक मूल्यांकन नहीं किया जाता है।

- एम फार्मसी में प्रवेश NTA द्वारा आयोजित ग्रेजुएट फार्मसी एप्टीट्यूट टेस्ट के माध्यम से होता है।
- 1 जनवरी 2024 की स्थिति में छत्तीसगढ़ में बी फार्मसी पाठ्यक्रमों हेतु 2 विश्वविद्यालयीन फार्मसी संस्था एवं 42 निजी संस्थाओं में कुल 3737 सीट उपलब्ध है।
- 1 जनवरी 2024 की स्थिति में छत्तीसगढ़ में एम फार्मसी पाठ्यक्रमों हेतु 1 विश्वविद्यालयीन फार्मसी संस्था एवं 14 निजी संस्थाओं में कुल 449 सीट उपलब्ध है।
- 1 जनवरी 2024 की स्थिति में छत्तीसगढ़ में डी फार्मसी पाठ्यक्रमों हेतु 1 शासकीय फार्मसी संस्था एवं 84 निजी संस्थाओं में कुल 5186 सीट उपलब्ध है।

संपर्क :- अधिक जानकारी के लिये इंडियन फार्मसी कॉउंसिल के वेबसाइट <https://www.pci.nic.in> एवं www.cgdtc.raipur.gov.in से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।